Registration No: 381/2016

कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान अलीगढ़

INSTITUTE OF AGRICULTURE TECHNOLOGY

Regd Office : 8B/37, Vrandavan Yojna, Lucknow (U.P)
Web: htpps://www.iat.org.in / www.mrmt.org.in
Email : info@iat.org.in / director@iat.org.in

ब्रांच ऑफिसः– काशाने निसार, अबदुल्लाह गर्लस कॉलेज रोड, सिविल लाइन, अलीगढ़ – 202001

Contact No.: 9871450315, 7905096254, 8707597428, 9045769655, 7509450035

डॉ आर एस कुरील

B Sc.(Agri & AH), M.Sc. Agri (Agronomy),
Ph.D (Horticulture), MBA, PGDCST, D.Sc

संदेश

मुझे कृषि शिक्षा एवं कृषि के क्षेत्र में औद्योगीकरण और व्यावसायिककरण का 37 साल का कार्य अनुभव है, वर्तमान में भी मैं महात्मा गांधी उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) में कुलपति के पद पर कार्यरत हूँ, इसके पूर्व में भी मैं बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, डॉ बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, इंदौर (मध्यप्रदेश), आचार्य नरेंद्र देव कृषि एंव प्रौघोगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0) में कुलपति के पद पर कार्य कर चुका हूँ । मैंने भारत और वियतनाम में यूएनडीपी और विदेशी द्विपक्षीय योजनाओ–परियोजनाओं सहित 120 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय संस्थानो के सहयोग– नेटवर्किंग में 150 से अधिक केंद्रीय और केंद्र प्रायोजित योजनाओं को कार्यान्वित किया हैं । मैं अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूँ कि किसान भाई देश दुनिया में विकसित नई– नई तकनीको को अपना कर ब्यवसायिक खेती करें, अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके उसका मूल्य संवर्धन करें, ई–मार्केटिंग के द्वारा अच्छे भाव में विपणन करें, तो व्यवसायिक खेती से बढ़िया कोई भी उद्यम नहीं है । कृषि प्रौघोगिकी संस्थान प्रदेश के किसानों को कृषी एंव प्रौघोगिकी तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उद्यमी बनाने तथा यूवक–युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रहा है जिससे किसानों एंव नौजवानों का सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्तर में उत्कृष्टता आए, इसके लिए संस्थान अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एंव राज्य स्तर के संस्थानों जैसे एफ ए ओ, यूएनडीपी, सी जी आई ए आर, नाबार्ड एंव भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही प्रमुख योजनाओ– परियोजनाओं जैसे स्फूर्ति 2022, दृष्टि, खाघ प्रसंस्करण, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, कमर्शियल हॉर्टिकल्चर, ऑर्गेनिक फार्मिंग, वर्टिकल फार्मिंग, कमर्शियल, हाइड्रोमोपोलिक, लाइवस्टोक फार्मिंग, मशरूम, उद्यानिकी–वानिकी की उच्च तकनीकी, किसान उत्पपादक संगठनों का निर्माण, प्रौद्योगिकी क्षमता निर्माण ,इनपुट सपोर्ट सर्विसेज जैसे पिभिन्न पहलुओं पर कार्य कर रहा है ।

मुझे विश्वास है कि संस्थान के प्रयास से किसान भाइयों एवं युवक–युवतियों के विकास के नए–नए द्वारा खुलेंगे । प्रगतिशील किसानों एवं युवक–यूवतियों के समूह बनाकर विभिन्न प्रकार की योजनाओं का कार्यन्वयन कराया जा रहा है तथा कृषि, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, फार्मेसी, नर्सिग, विपणन, स्किल डेवलपमेंट जैसे रोजगारउपलब्ध कराने वाले आयामों में युवक एवं युवतियों के शिक्षण–प्रशिक्षण की कार्य योजना है । संस्थान द्वारा प्रशिक्षित युवक–युवतियों को अपने उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय एंव तकनीकी सहायता दिलाने तथा देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार दिलाने का प्रयास है ।

कृषक समुदायों और युवाओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं सहित।

डॉ आर एस कुरील
संरक्षक
कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान अलीगढ़।

कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान (आई ए टी) एक नजर से

कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान, (आईएटी) अलीगढ़ कृषि और संबद्ध विज्ञान के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर अकादमिक उतकृष्टता, नवीन अनुसंधान ,तकनीक जानकारी के प्रचार–प्रसार और प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए किसानों एवं नव युवकों की क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए काम कर रहा है। संस्थान का प्रबंधन डॉ आर एस कुरील, कुलपति, महात्मा गांधी उद्यागिकी और वानिकी विश्वविधालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़) कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान का प्रबंधन शासी निकाय (जीबी), प्रबंध समिति, कार्यकारी समिति, अकादमिक परिषद, विकास परिषद, वित्त समिति के समर्पित सदस्यों द्वारा किया जाता है । कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के प्रावधान के तहत 381/2016 लखनऊ में पंजीकृत एम आर एम ट्रस्ट के तत्वावधान में सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में काम कर रहा है। संस्थान कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास और शैक्षिक उत्कृष्टता, कृषि और प्रबंधन क्षेत्रों से क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, के लिए उच्च तकनीक बागवानी, जड़ी बूटियों की संरक्षित खेती, सहित ऊर्ध्वाधर खेती, ज्ञान और प्रौद्योगिकियों का प्रचार–प्रसार और गुणवत्ता बीज, उर्वरक, जैसी समर्थन सेवाओं की समय पर उपलब्धता, फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए पौध संरक्षण उपाय और फसल के कार्यवुमों उतपादन के बाद प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, उत्पाद विकास के साथ–साथ लाभकारी मूल्य पर किसान की उपज का विपणन सुनिष्चित करना तथा राज्य सरकार एवं भारत सरकार के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के द्वारा उच्च तकनीकि का प्रशिक्षण देकर, क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने का कार्यक्रम तथा क्षेत्र के युवक–युवतियों को कृषि विज्ञान के विभिन्न आयामों में शिक्षित किया जा रहा है जिससे भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित किसान की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

संस्थान द्वारा किसानों को उद्यमी बनाने के लिए अपनाई जाने वाली योजनाऐं

भारत सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाऐं–परियोजनाएं चलाई जा रही है, किंतु इन योजनाओं–परियोजनाओं का लाभ किसान भाइयों को नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान के द्वारा एक नई पहल की शुरूआत की जा रही है जिसमें किसानों की आय को उद्यमिता के माध्यम से बढ़ाया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में युवक एवं युवतियों को रोजगार को अवसर प्रदान किये जाऐंगे । इस कार्य में कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान ने भारत सरकार की निम्नलिखित योजनाओं–परियोजनाओं को कार्यान्वित कर कार्य का योजना तैयार की है ।

1. स्फूर्ति योजना 2022 का कार्यान्वयन

यह भारत सरकार की योजना है जिसमें पारंपरिक उद्योगों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कार्यो से किसानों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास करने की कार्य योजना हैं इसके अंतर्गत विभिन्न किसानों का समूह तैयार किया जाएगा। इसमें पारंपरिक ढंग से खेती किसानी कर रहे लोगों का कौशल विकास करके उन्हें उद्यमी बनाने की योजना है, इसके लिए किसानों को कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान के सदस्य के रूप में रजिस्ट्रेशन करवाना होगा । ऐसे सदस्यों को जो संस्थान के सदस्य है उनके उत्पादों का प्रसंस्करण करके अच्छी कीमत पर बिकवाना, युवक–युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान करना, किसानों की आय दोगुनी करना, विभिन्न प्रकार की योजनाओं–परियोजनाओं के माध्यम से उनको सक्षम बनाना इत्यादि कार्य संस्थान के द्वारा किए जाऐंगे ।

2. उद्यानिकी-वानिकी की उच्च तकनीकी का कार्यान्वयन

कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान के द्वारा विभिन्न उद्यानिकी–वानिकी,पोमोलॉजी, ओलेरीकल्चर, फ्लोरीकल्चर, एग्रो फोरेस्ट्री मॉडलों की विभिन्न तकनीकी, अधिक उपज देने वाले देसी – विदेशी बीजों के माध्यम से पौध नर्सरी तैयार करने की तकनीकी तथा उनको पैदा करके उनके विपणन का प्रबंध किया जाएगा ।

3. उच्च गुण्वत्ता वाले ग्राफटेड प्लांटिंग मैटेरियल विकसित करना

कृषि प्रोद्योगिकी संस्थान के द्वारा प्रगतिशील किसानों के खेतों मे नेट हाउस लगाने की व्यवस्था तथा उनको प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे प्रतिकूल मौसम में भी नगदी फसलों की पैदावार कर सके, इससे किसानों की आय तथा उनका सामाजिक और आर्थिक विकास होगा ।

4–किसान उत्पदक संगठनों का निर्माण

कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान के द्वारा विभिन्न प्रकार के कृषक उत्पादक संगठनों का निर्माण किया जाना है जैसे बीज उत्पादक किसान संगठन, तिलहन उत्पादक किसान संगठन, वेजिटेबल उत्पादक किसान संगठन , खाद्य प्रसंस्करण किसान संगठन, खाद्य विपणन किसान संगठन इत्यादि के लिए किसानों का समूह बनाकर कृषि से जुड़ी व्यवसायिक गतिविधियो को चलाया जाएगा । संस्थान में पंजीकृत किसान भाइयों को उपरोक्त कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) का सदस्य बनाया जाएगा तथा उन्हें उन्नत किस्म के ब्रीडर एवं फाउंडेशन बीजों के माध्यम से सर्टिफाइड बीज उत्पादन करवाया जाएगा एवं उन्नत किस्म के बीजों को सरकारी योजनाओं–परियोजनाओं के माध्यम से अच्छी कीमत पर बिकवाने का प्रबंध किया जाएगा । इसी प्रकार से अन्य खाद्य प्रसंस्करण संगठनों के माध्यम से सभी पंजीकृत किसान भाइयों के उत्पाद का प्रसंस्करण करके उसका मुल्य संवंधन करके अच्छे भाव में बेचकर उसकी आय को बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया जाएगा ।

5. एकीकृत कृषि प्रणाली

कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा छोटे और सीमांत किसानों के खेतों की जमीन के हर हिस्से का सही तरीके से एकीकृत कृषि प्रणाली के तहत इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके तहत एक साथ ही अलग–अलग फसल, फल, फूल, सब्जी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, सूकर पालन इत्यादि किया जाएगा । इससे न केवल कृषकों के संसाधनों का पूरा इस्तेमाल होगा अपितु लागत में कमी आएगी और उत्पादकता बढ़ेगी। एकीकृत कृषि प्रणाली पर्यावरण के अनुकूल है और यह खेती की उर्वरा शक्ति को भी बढ़ाती है ।

6. इनपुट सपोर्ट सर्विसेज सुनिश्चित करना

संस्थान के द्वारा पंजीकृत सभी किसान भाइयों को समय से खाद, उन्नत बीज, दवाइयां, फार्म मशीनरी, प्रशिक्षण इत्यादि की उपलब्धता उचित मूल्य पर समय से सुनिष्चित की जाएगी ।

7. प्रौद्योगिकी क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्य

कृषि प्रौद्याोगिकी संस्थान के द्वारा अपने समूह सदस्यों को राज्य सरकार एवं भारत सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं– परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी तथा नई–नई तकनीकी को अपनाकर इन योजनाओं– परियोजनाओं के माध्यम से किसानों एवं नौजवानों का विकास किया जाएगा। उन्हें कृषि में हो रहे नवीनतम नवाचार जैसे ड्रोन, लेजर गाइडेड लेवलर, वर्टिकल फार्मिंग, कमर्शियल हाइड्रोपोनिक, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन इत्यादि की तकनीकी जानकारी देकर उनका कौशल विकास किया जाएगा।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क सूत्र:

1–डॉ आर एस कुरील, संरक्षकः– कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान – मो0 9871450315

2–श्री अमित जयसवाल, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, अलीगढ़ – मो0 7905096254

3–डॉ रामप्रकाश, अध्यक्षः– कृषि विज्ञान केंद्र, अलीगढ़ – मो0 8707597428

4–श्री एम एम हसन, सलाहकारः– कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान – मो0 9045769655

5–डॉ रंजीत कुमार, निदेशकः– कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान – मो0 7509450035